दै. नव दुनियाँ, भोपाल

5 FEB 2010

कॉमनवेल्थ खेलों में छाएंगे चंदेरी के दुपट्टे

अशोकनगर/चंदेरी (निप्र)। जिले के ऐतिहासिक शहर तथा साड़ी उद्योग के लिए देश भर में अपनी अलग पहचान रखने वाले चंदेरी को कॉमनवेल्थ खेलों में एक विशिष्ट पहचान मिलने जा रही है। अब यहां के बने दुपट्टे दुनिया भर के खिलाड़ियों के गले में इन खेलों के रंगारंग उद्घाटन समारोह के दौरान नजर आएँगे।

- उद्घाटन के दौरान खिलाड़ी गले में डाले नजर आएंगे

उल्लेखनीय है कि दसवें राष्ट्रमंडलीय खेल इस साल अक्टूबर माह में नई दिल्ली में होने जा रहे हैं जिसमें कई देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे। इन खेलों के लिए यह दुपट्टे मप्र हस्त शिल्प निगम के प्रयासों से चंदेरी में ही तैयार कराए जा रहे हैं। निगम के चंदेरी स्थित प्रभारी रवीन्द्र ओझा ने बताया कि यह दुपट्टे 6 रंगों में तैयार किए जा रहे हैं जिनमें लाल, सफेद, हरा, पीला, नीला और गुलाबी शामिल है। जिस देश का ध्वज जिस रंग का है उसी रंग के यह दुपट्टे होंगे। इन दुपट्टों पर कॉमनवेल्थ खेलों का मोनो भी अंकित रहेगा।

श्री ओझा ने बताया कि ऐसे 11 हजार दुपट्टों का निर्माण किया जा रहा है। दिसंबर 2009 से यह कार्य चल रहा है। इस दुपट्टे की लंबाई 2 मीटर तथा चौड़ाई 22 इंच है। 15 से 20 कारीगार इन दुपट्टों को तैयार कर रहे हैं। महीन काम होने से एक दुपट्टा दो दिन में तैयार हो पा रहा है। अब तक 200 दुपट्टे तैयार हो चुके हैं। इस कार्य में गति लाने के जल्दी से 40 से 45 लूमों को यह काम सौंपा जा रहा है। एक दुपट्टे के निर्माण पर 400 रुपए की लागत आ रही है। 11 हजार दुपट्टे के निर्माण पर चार लाख चालीस हजार रुपए व्यय होंगे। दुपट्टों पर की जा रही महीन कारीगरी विविध रंगों में चंदेरी के बुनकर ही कर सकते थे। इसी कारण यह दुपट्टे चंदेरी में तैयार हो रहे हैं।